>

Title : Interlinking of Ken-Betwa rivers in Madhya Pradesh and Uttar Pradesh.

श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला (खजुराहो): अध्यक्ष महोदया, शून्यकाल की मेरी सूचना इस प्रकार है। यह समस्या किसानों और मजदूरों से जुड़ी हुई है। पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी ने नदी से नदी को जोड़ने का एक अभिनव प्रयास किया था। भारत ही नहीं बल्कि पूरे एशिया में सबसे पहले केन और बेतवा नदियों को जोड़ने का डीपीआर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्रियों द्वारा सहमति व्यक्त करने के बाद आज भी केन्द्र सरकार के पास लम्बित पड़ा हुआ है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को बताना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश के पांच जिले पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, रायसेन और विदिशा तथा उत्तर प्रदेश का झांसी जिला इस योजना से पूरी तरह लाभान्वित होने वाले हैं। हमारे किसानों को इससे सिंचाई की सुविधा मिलने वाली है और वर्तमान में जिस तरह का सूखा मध्य प्रदेश में पड़ रहा है, इस योजना से हमारे यहां सूखे की समस्या का समाधान हो जायेगा। उस क्षेत्र की एक सबसे बड़ी समस्या यह है कि सूखा पड़ने की वजह से जब सिंचाई नहीं होती है तो उस क्षेत्र का किसान और मजदूर पूरी तरीके से पलायन करता है और मजदूरी करने को विवश होता है। इस योजना के अंतर्गत उस क्षेत्र को 72 मेगावाट बिजली भी उपलब्ध होने वाली है।

मैं सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहता हूं कि पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी की इस अभिनव योजना को तत्काल प्रारम्भ कराया जाए और किसानों तथा मजदूरों के हित में निर्णय लिया जाए।

अध्यक्ष महोदया : श्री सज्जन सिंह वर्मा - उपस्थित नहीं।